

सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती पर संस्कृति भवन में लगी चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी

- उच्च शिक्षा मंत्री और कुलपति ने किया उद्घाटन
- लौह पुरुष के जीवन वृत्त, ऐतिहासिक अभिलेखों और दुर्लभ छायाचित्रों के माध्यम से नई पीढ़ी को दिया राष्ट्रीय एकता का संदेश

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर शनिवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के संस्कृति भवन स्थित इतिहास एवं संस्कृति विभाग में एक भव्य आंबेडकर विश्वविद्यालय की आयोजन किया गया। क्षेत्रीय अभिलेखागार, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य सरदार पटेल के जीवन, व्यक्तित्व और राष्ट्र-निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को जनमानस के समक्ष प्रस्तुत करना रहा। प्रदर्शनी का औपचारिक



शुभारंभ उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री माननीय श्री योगेंद्र उपाध्याय तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। अतिथियों ने प्रदर्शनी का विस्तृत अवलोकन करते हुए सरदार पटेल के जीवन से जुड़े ऐतिहासिक दस्तावेजों, पत्रों और दुर्लभ छायाचित्रों की मुक्तकंठ से सराहना की। प्रदर्शनी में राष्ट्रीय एकीकरण

- 40 करोड़ रुपये के निवेश एमओयू हुए हस्ताक्षरित
- उत्तर प्रदेश सरकार की कुक्कुट विकास नीति-2022 के तहत आधुनिक तकनीक

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा मंडल में कुक्कुट पालन (पोल्ट्री) उद्योग को नई ऊंचाइयां देने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को समृद्ध बनाने के उद्देश्य से पशुपालन विभाग, आगरा मंडल द्वारा शुक्रवार को आयुक्त सभागार में 'पोल्ट्री कॉन्क्लेव 2026' (कुक्कुट निवेश सम्मेलन) का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि मंडलायुक्त श्री नगेंद्र प्रताप (आई.ए.एस.), विशिष्ट अतिथि प्रभारी जिलाधिकारी/मुख्य विकास अधिकारी श्री अमित कुमार तथा संयुक्त विकास आयुक्त श्री उमेश मणि त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति में दीप प्रज्वलन और मां सरस्वती की वंदना के साथ हुआ। मंडलायुक्त ने



इस दौरान उन्नतशील कुक्कुट पालकों से सीधा संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया। अपर निदेशक (ग्रेड-2) पशुपालन विभाग डॉ. देवेंद्र पाल सिंह की अध्यक्षता व निर्देशन तथा मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. डी.के. पांडेय के संयोजन में आयोजित इस एक दिवसीय सम्मेलन में आगरा मंडल के चारों जनपदों से 150 से अधिक प्रगतिशील पोल्ट्री उद्यमियों और किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

40 करोड़ रुपये के निवेश समझौते (ट्रव):

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण मंडल में कुक्कुट व्यवसाय के विस्तार, नई इकाइयों की स्थापना

और रोजगार सृजन को लेकर कुल 40 करोड़ रुपये के समझौता ज्ञापनों (टटवू) का हस्ताक्षरित होना रहा। **तकनीकी सत्र और विशेषज्ञ मार्गदर्शन:** लखनऊ निदेशालय से आए अपर निदेशक (ग्रेड-1 कुक्कुट) डॉ. अनिल कुमार, संयुक्त निदेशक डॉ. ज्ञानेंद्र सिंह और उपनिदेशक डॉ. ब्रजेश त्रिपाठी ने शासन की 'कुक्कुट विकास नीति-2022', अनुदान योजनाओं, आधुनिक शेड निर्माण, उच्च गुणवत्ता वाले चूजों की उपलब्धता, अंडे की पोषण संबंधी महत्ता तथा बायो-सिस्कोरिटी के पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी डॉ. डी.के. पांडेय ने विभाग की ओर से उद्यमियों को पूर्ण सहयोग, बैंक समन्वय और आवश्यक स्वीकृतियां समयबद्ध रूप से दिलाने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम में मण्डल के सभी जनपदों के मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी-डॉ. सोमेश गुप्ता (फिरोजाबाद), डॉ. एन.एन. शुक्ला (मथुरा), डॉ. सऊद हसन (प्रभारी मैनपुरी), संयुक्त निदेशक डॉ. जितेंद्र कुमार मलिक, डॉ. अरुण कुमार समेत विभिन्न फोड कंपनियों (वेंकीज, वैदिक एग्रोवेट, नेचर केयर, फोटोवेट, स्काईलार्क आदि) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के अंत में प्रगतिशील पोल्ट्री किसानों ने अपने अनुभव साझा किए, जिसके पश्चात अपर निदेशक ग्रेड-2 डॉ. देवेंद्र पाल सिंह द्वारा मंडल के उत्कृष्ट उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन उपमुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी (पशुधन विकास) डॉ. प्रियंका शुक्ला ने किया।

सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आप जिलाध्यक्ष ने अर्पित की श्रद्धांजलि



○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के पावन अवसर पर आम आदमी पार्टी के जिलाध्यक्ष पंडित सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को याद किया। इस अवसर पर आप जिलाध्यक्ष पंडित सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि सरदार पटेल केवल एक महान स्वतंत्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि आधुनिक भारत के सच्चे शिल्पकार थे। उन्होंने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और अदम्य साहस का परिचय देते हुए देश की सैकड़ों रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण किया और भारत की एकता व अखंडता को एक मजबूत आधार प्रदान किया। उन्होंने आगे कहा कि सरदार पटेल का जीवन हमें यह सीख देता

■ राष्ट्र निर्माण में योगदान को किया याद

है कि राष्ट्रहित हमेशा सर्वोपरि होना चाहिए। देश की अखंडता, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे की रक्षा करना हर नागरिक का परम कर्तव्य है। उनके विचार और उच्च आदर्श आने वाली पीढ़ियों को संदेव निस्वार्थ राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सरदार पटेल के बताए मार्ग पर चलने और एक मजबूत, समृद्ध तथा एकजुट भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर जिला महासचिव मोहित अग्रवाल, गुलवीर सिंह पोलनिया, विष्णु कुशवाहा और सलमान सहित पार्टी के अनेक कार्यकर्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

आगरा में 'महाराजा दक्ष प्रजापति द्वार' का भव्य भूमि पूजन

- समाज के लिए सदैव प्रेरणापुंज रहेंगे महाराजा दक्ष प्रजापति योगेंद्र उपाध्याय
- प्रजापति समाज ने कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का भव्य स्वागत कर जताया आभार

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

पचकुड़ियां स्थित प्राचीन सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर (नालबंद चौराहा, धर्म कंठा के पास) में प्रजापति समाज द्वारा आयोजित गरिमामयी और भव्य समारोह में 'महाराजा दक्ष प्रजापति द्वार' का भूमि पूजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट एवं उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में अपने कर-कमलों द्वारा इस ऐतिहासिक और सराहनीय कार्य की आधारशिला रखी। इस पावन अवसर पर समूचा प्रजापति समाज और क्षेत्रीय नागरिक बड़ी संख्या में साक्षी बने।

समाज के लिए सदैव प्रेरणापुंज रहेंगे महाराजा दक्ष प्रजापति योगेंद्र उपाध्याय

भूमि पूजन के पश्चात जनसमूह को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा, सृष्टि के रचयिता ब्रह्मा जी के मानस पुत्र महाराजा दक्ष प्रजापति का समाज, राष्ट्र और संस्कृति के प्रति योगदान अतुलनीय है। उनका जीवन और मूल्य आज भी हम सबके लिए एक महान प्रेरणापुंज हैं। इस भव्य द्वार का निर्माण केवल एक संरचना नहीं, बल्कि हमारी ऐतिहासिक धरोहर और गौरवशाली सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण रखने का एक जीवंत प्रयास है। उन्होंने



घोषणा की कि उनके विशेष प्रयासों से आगरा विकास प्राधिकरण द्वारा इस भव्य द्वार का निर्माण कार्य पूरी गुणवत्ता के साथ सुनिश्चित कराया जाएगा।

क्षेत्रीय पार्षद मंजू प्रजापति के प्रयासों से नगर निगम में पास हुआ था प्रस्ताव

कार्यक्रम में जानकारी दी गई कि इस द्वार के निर्माण की नींव आगरा नगर निगम में क्षेत्रीय पार्षद मंजू प्रजापति के अथक प्रयासों से पड़ी, जिन्होंने इस ऐतिहासिक प्रस्ताव को सदन में पूरी प्रखरता से उठाया और सर्वसम्मति से पारित कराया था। भूमि पूजन के साथ ही प्रजापति समाज के वर्षों पुराने इस सपने को धरातल पर उतारने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। *समाज के गौरव और एकजुटता का प्रतीक

बनेगा यह द्वार अशोक गोला*

समारोह की अध्यक्षता कर रहे कार्यक्रम अध्यक्ष अशोक गोला ने कैबिनेट मंत्री और पार्षद का आभार व्यक्त करते हुए कहा यह द्वार प्रजापति समाज के गौरव, मान-सम्मान और अटूट एकजुटता का प्रतीक बनेगा। इस पावन कार्य के लिए उत्तर प्रदेश सरकार और आगरा विकास प्राधिकरण का सहयोग सराहनीय है। यह ऐतिहासिक कदम आने वाली पीढ़ियों को महाराजा दक्ष प्रजापति के महान आदर्शों से जोड़े रखने में मील का पत्थर साबित होगा।

जयकारों से गूंज उठा पचकुड़ियां क्षेत्र

भूमि पूजन के दौरान वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच जैसे ही कैबिनेट मंत्री ने पहली शिला रखी, पूरा परिसर 'महाराजा दक्ष प्रजापति की जय' के गूंजते जयकारों से सराबोर हो गया। प्रजापति समाज के प्रमुख पदाधिकारियों ने मुख्य अतिथि योगेंद्र उपाध्याय को स्मृति चिह्न और साफा पहनाकर भव्य स्वागत किया।

इस दौरान कार्यक्रम अध्यक्ष अशोक गोला, राजेश प्रजापति (मण्डल अध्यक्ष?), दयाराम प्रजापति पूर्व मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, मंजू प्रजापति (पार्षद), डॉ आलोकिक उपाध्याय, मुनेश प्रजापति (संचालन), प्रभु दयाल प्रजापति, संजीव प्रजापति, हेमन्त प्रजापति (पार्षद) सुनहरीलाल गोला, राजकुमार गोला, सुभाष गोला, डालचन्द प्रजापति, श्रीचन्द गोला, सेन्त कुमार, रवि प्रजापति, नवनीत प्रजापति समाज के गणमान्य नागरिक, प्रबुद्ध वर्ग और भारी संख्या में क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

राज्य महिला आयोग अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने मरीजों का जाना हाल



आगरा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (सीएचसी), खदौली का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल परिसर की स्वच्छता से लेकर मरीजों को दी जा रही चिकित्सीय सुविधाओं को बारीकी से परखा।

निरीक्षण के दौरान अध्यक्ष महोदया ने महिला वार्ड, प्रसव कक्ष, ओपीडी तथा दवा विवरण कक्ष का निरीक्षण किया और दवाओं की उपलब्धता की स्थिति जानी। उन्होंने अस्पताल में भर्ती महिला मरीजों व उनके परिजनों से सीधा संवाद स्थापित कर इलाज, भोजन, पेयजल एवं स्वच्छता के संबंध में फीडबैक लिया।

डॉ. बबीता सिंह चौहान ने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को कड़े निर्देश जारी करते हुए कहा कि

- अस्पताल की साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता, महिला वार्ड, प्रसव कक्ष और ओपीडी की व्यवस्थाओं का लिया जायजा
- मरीजों से सीधा संवाद कर लिया फीडबैक, चिकित्सकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं और सुविधाएं सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश

अस्पताल आने वाले प्रत्येक मरीज, विशेषकर महिला मरीजों को संवेदनशील व्यवहार के साथ गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएं। उन्होंने सीएचसी परिसर में निरंतर साफ-सफाई बनाए रखने और महिला स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया।

निरीक्षण के दौरान संबोधित प्रभारी चिकित्सा अधिकारी सहित सीएचसी के अन्य डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर कलेक्ट्रेट में गूंजा अखंडता का संकल्प

- अधिकारियों व कर्मचारियों ने ली शपथ
- सरदार पटेल के आदर्शों पर चलने का आह्वान
- देश की सुरक्षा और संप्रभुता बनाए रखने के लिए समर्पित रहने का लिया वचन

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शनिवार को कलेक्ट्रेट परिसर में भव्य शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के इस पावन अवसर पर कलेक्ट्रेट के समस्त अधिकारियों और कर्मचारियों ने देश की आंतरिक सुरक्षा, एकता और अखंडता को बनाए रखने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर



चौहान तथा एडीएम (प्रोटोकॉल) अमरेंद्र कुमार वर्मा ने कलेक्ट्रेट परिसर में उपस्थित समस्त विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (नगर) यमुनाधर चौहान ने सरदार पटेल को नमन करते हुए कहा कि स्वतंत्र भारत के एकीकरण में लौह पुरुष का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने अधिकारियों से आह्वान किया कि हम सभी को सरदार पटेल की दूरदर्शिता,

कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की एकता, संप्रभुता और सुरक्षा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक और शासकीय सेवक का समर्पित होना अनिवार्य है। शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों के विभागाध्यक्षों, अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने पूर्ण निष्ठा के साथ राष्ट्रहित में कार्य करने का वचन दिया।

सीता हरण के मार्मिक मंचन ने भावुक किए श्रद्धालु, बाली वध प्रसंग ने दिया अधर्म पर धर्म की विजय का संदेश

रावण ने साधु वेश में किया माता सीता का हरण, श्रीराम-लक्ष्मण की वन-वन खोज और सुग्रीव मित्रता का हुआ जीवंत मंचन

○ टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा ट्रांस यमुना कॉलोनी फेस-2 स्थित श्री रामलीला पार्क में आयोजित श्री रामलीला महोत्सव में शनिवार शाम सीता हरण और बाली वध प्रसंग का भव्य एवं भावपूर्ण मंचन किया गया। कलाकारों ने अपने शानदार अभिनय से रामायण के प्रसंगों को जीवंत कर दिया। मंचन के दौरान श्रद्धालु प्रभु श्रीराम के जयकारों से रामलीला परिसर को गुंजायमान करते रहे लीला में सर्वप्रथम रावण की बहन सूर्यनखा के अपमान का बदला लेने के लिए रावण द्वारा रची गई साजिश का मंचन हुआ। मारीच स्वर्ण मृग का रूप धारण कर पंचवटी पहुंचा। स्वर्ण मृग को देखकर माता सीता ने प्रभु श्रीराम से उसे लाने का आग्रह



किया। श्रीराम के पीछे जाने और लक्ष्मण के कुटिया छोड़ने के बाद रावण साधु का वेश धारण कर पहुंचा और छलपूर्वक माता

सीता का हरण कर लिया। जटायु ने रावण से युद्ध कर माता सीता को बचाने का प्रयास किया, लेकिन घायल होकर धरती पर

- सोने की लंका में गुंजेगा हनुमान जी का पराक्रम, आज होगा भव्य लंका दहन, विभीषण की शरणार्थिता का होगा जीवंत मंचन

गिर पड़े। इसके बाद प्रभु श्रीराम और लक्ष्मण माता सीता की खोज में वन-वन भटकते हुए जटायु से मिले। जटायु ने रावण द्वारा सीता हरण की जानकारी दी। आगे चलकर प्रभु श्रीराम की सुग्रीव से मित्रता हुई और सुग्रीव ने बाली के अत्याचारों से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। बाली वध प्रसंग में प्रभु श्रीराम ने सुग्रीव को न्याय दिलाते हुए बाली का वध किया और उसे उसके अत्याचारों का दंड मिला। इस प्रसंग ने श्रद्धालुओं को धर्म,

न्याय और अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का संदेश दिया। अंत में जय श्रीराम के जयकारों से पूरा रामलीला परिसर भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में श्री रामलीला महोत्सव के संस्थापक श्री बालकिशन गुप्ता, प्रदीप शर्मा, कृष्णवीर सिंह सिकरवार एवं अध्यक्ष श्री गिरिज प्रसाद पाठक सहित डॉ. नौनीहाल कुशवाह, लक्ष्मीकांत उपाध्याय, पप्पू गहलोत, राकेश चौहान, हरिविलास यादव, आमप्रकाश कुशवाह, वीरेंद्र चौधरी, शेर सिंह कुशवाह एवं देवेंद्र गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन पं. दिनेश चंद्र शास्त्री महाराज ने किया। मंडली के कलाकारों ने प्रभावशाली अभिनय से दर्शकों का मन मोह लिया।

<div> सम्पादकीय</div>
<p>मौसम के बदलते कड़े तेवर, गुलाबी ठंड की मजमोहक आहट के बीच गहराता जहरीले प्रदूषण का संकट</p> <p>उत्तर भारत समेत पूरे देश में अक्टूबर महीने की विदाई और नवंबर के शुरूआती दौर के साथ ही मौसम का मिजाज बहुत तेजी से करवट बदलने लगा है। सुबह और शाम के वक्त महसूस होने वाली हल्की गुलाबी ठंड और सुहावनी हवा ने भले ही लोगों के मन को प्रफुल्लित कर दिया हो, किंतु इसके साथ ही कई गंभीर पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संकट भी मुंह बाए खड़े हो गए हैं। एक तरफ जहां मौसम का यह बदलाव खेतों में पककर तैयार हो रही धान की फसलों और किसानों की सालभर की मेहनत के लिए अनुकूल माना जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ बड़े शहरों और ग्रामीण इलाकों में गहराता प्रदूषण का कहर चिंता का विषय बन गया है। सुबह के वक्त आसमान में छाई जहरीली धुंध यानी स्मॉग की मोटी चादर यह साफ चेतावनी दे रही है कि हमारे पर्यावरण को सेहत किस हद तक बिगड़ चुकी है। प्रशासनिक स्तर पर जितने भी बड़े-बड़े दावे और कागजी पाबंदियों के फरमान जारी किए जाते हैं, वे इस बदलते मौसम और पराली जलाने की घटनाओं के सामने पूरी तरह बौने साबित होते हैं।</p> <p>विडंबना यह है कि हर साल मौसम के इस तय चक्र और सर्दियों के आगमन के बावजूद हमारे नीति-निर्माता और जिम्मेदार विभाग केवल ठंड शुरू होते ही गहरी नींद से जागते हैं और कुछ दिनों के लिए पानी के छिड़काव जैसे सतही उपाय करके अपनी औपचारिकता पूरी कर लेते हैं। यदि समय रहते इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस, वैज्ञानिक और दीर्घकालिक कदम नहीं उठाए गए, तो यह बदलता मौसम राहत के स्थान पर आम जनजीवन और विशेषकर बुजुर्गों तथा बच्चों के लिए एक विकराल स्वास्थ्य आपातकाल बन जाएगा। आवश्यकता इस बात की है कि सरकार केवल विज्ञापनों और कागजी बैठकों पर सरकारी खजाने का पैसा खर्च करने के बजाय धरातल पर प्रदूषण के असली स्रोतों पर कड़ा अंकुश लगाए। जब तक शासन और प्रशासन पर्यावरण संरक्षण को अपनी प्राथमिक सूची में सबसे ऊपर नहीं रखेंगे, तब तक हर साल बदलता यह मौसम हमें हमारी ही विफलताओं का आईना दिखाता रहेगा।</p>
<p>अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा</p>

जब राजा नृग की एक छोटी सी मूल के चलते भगवान ने उन्हें गिरगिट बना दिया

श्रीमद्भागवत महापुराण और विभिन्न पौराणिक ग्रंथों के इतिहास में इश्वाकु वंश के अत्यंत प्रतापी, धर्मानिष्ठ और परम दानी राजा नृग की यह अत्यंत दुर्लभ तथा रहस्यमयी कथा संपूर्ण मानव समाज को दान और कर्म के बंधन का गहरा पाठ पढ़ाती है। प्राचीन काल में राजा नृग इतने बड़े दानी थे कि उन्होंने अपने जीवनकाल में अनगिनत गायों का दान ब्राह्मणों को दिया था जिनकी संख्या और उनके सींगों पर सोने के आभूषणों का हिसाब लगाना भी असंभव था। एक बार संयोगवश दान में दी गई एक गाय अनजाने में उस झुंड से वापस राजा के गोशाला में लौट आई और राजा ने वही गाय किसी दूसरे ब्राह्मण को दानस्वरूप दे दी।

जब दोनों ब्राह्मणों को उस गाय पर अपने अधिकार को लेकर विवाद हुआ और मामला राजा नृग के सामने पहुंचा तब राजा असमंजस में पड़ गए कि वे उस धर्मसंकट को कैसे सुलझाएं। दोनों में से कोई भी ब्राह्मण अपनी गाय छोड़ने को तैयार नहीं हुआ और जाते-जाते उन्होंने क्रोधित होकर राजा नृग को यह श्राप दे दिया कि तुम इतने बड़े दानी बनते हो इसलिए जाओ और आले जन्म में पृथ्वी पर गिरगिट योनि को प्राप्त होओ। अपने पुण्य कर्मों के प्रभाव से राजा नृग को उस भयंकर योनि में भी अपने पूर्व जन्मों की सारी स्मृतियां याद रहईं और वे द्वारका नगरी में एक बड़े से कुएं के भीतर लंबे समय तक उस रूप में पड़े रहे। एक बार जब भगवान श्रीकृष्ण के यदुवंशी बालक द्वारका में क्रीड़ा कर रहे थे तब खेलते-खेलते वे उसी सुखे कुएं में गिर गए और राजा नृग रूपी उस विशाल गिरगिट ने उन्हें घेर लिया। जब भगवान श्रीकृष्ण स्वयं उस कुएं पर पहुंचे और अपने दिव्य हाथों से उस विशाल जीव को बाहर निकाला तब उनका वह गिरगिट का शरीर तुरंत एक अलौकिक और दिव्य पुरुष के रूप में बदल गया।

राजा नृग ने अपने इस उद्धार के लिए साक्षात भगवान श्रीकृष्ण को बार-बार प्रणाम किया और उनके चरणों में समर्पित होकर अपने लोक को प्रस्थान किया। यह पावन प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि अनजाने में किया गया पाप या दान की गई वस्तु का फेर भी मनुष्य के कर्मों का लेखा-जोखा नहीं छोड़ता और केवल ईश्वर की शरण ही एकमात्र मुक्ति का मार्ग है।

○ बृज खंडेलवाल

अगरा के पास उत्तर प्रदेश के एक छोटे कस्बे में 1970 के दशक में स्कूल मास्टर रघुनाथ प्रसाद सुबह अंधेरे में उठते थे। घर में न बिजली का भरोसा था, न नल में पानी आता था। लालटेन की रोशनी में बच्चे पढ़ते थे। राशन की दुकान पर लाइन लगती थी। साइकिल या बैलगाड़ी ही सफर का सहारा थी। बीमारी में डॉक्टर मिल जाए, तो गनीमत समझिए। टेलीफोन किसी बड़े साहब के घर दिखता था।

अब उनके तीस साल के पोते मोहन कुमार की दुनिया देखिए। हाथ में स्मार्टफोन, जेब में डिजिटल भुगतान, घर में एसी, रसोई में गैस और दरवाजे पर मोटरसाइकिल या कार। वह एक आईटी कंपनी में काम करता है। वीडियो कॉल पर बात करता है। ऑनलाइन टिकट बुक करता है और कुछ सेकंड में पैसे भेज देता है। इलाज के लिए आधुनिक अस्पताल हैं। एक्सप्रेसवे और बेहतर सड़कों ने दूरियां घटा दी हैं।

दादा के लिए बैंक जाना, बिजली पाना और पक्का मकान बनाना जिंदगी की बड़ी उपलब्धियां थीं। पोते के लिए ये रोजमर्रा की सुविधाएं हैं। जिस दुनिया की कल्पना रघुनाथ प्रसाद नहीं कर सकते थे, उसमें मोहन कुमार सांस ले रहा है। यह केवल एक परिवार की कहानी नहीं, भारत के बदलते चेहरे की तस्वीर है। सतर साल में देश ने कितनी लंबी छलांग लगाई है !

अब सवाल उठता है क्या 140 करोड़ लोगों का देश एक पीढ़ी में अपनी तकदीर बदल सकता है? क्या गरीबी, भुखमरी

मानवता का आदि रेडक्रॉस— भाई घनैया जी: जब मशक ने तलवार को पराजित किया

○ डॉ. दीपक गोस्वामी

युद्धभूमि में किसी घायल को पानी पिलाना आसान दिखाई देता है, लेकिन उस समय पानी पिलाना जब घायल व्यक्ति आपका शत्रु हो, जब अपने सैनिक आपको रोक रहे हों और जब चारों ओर प्रतिशोध की आग जल रही हो—यह केवल सेवा नहीं, अपने संस्कारों की सबसे कठिन परीक्षा है। इतिहास में उलवारों साम्राज्यों की सीमाएं बदलती रही हैं, लेकिन करुणा मनुष्य के भीतर की सीमाएं मिटाती है। आनंदपुर साहिब की युद्धभूमि से जुड़ी भाई घनैया जी की कथा इसी सत्य का सजीव उदाहरण है। उनके कंधे पर पानी की मशक थी, हाथों में न तलवार थी, न किसी को पराजित करने की आकांक्षा। वे घायल सैनिकों को पानी पिलाते थे—चाहे वे गुरु गोबिंद सिंह जी की सेना के हों या विरोधी पक्ष के।

जिस संसार में मनुष्य की पहचान उसके पक्ष, धर्म और वंशभूषा से की जाती है, वहां भाई घनैया जी ने उसकी पहचान उसकी प्यास और पीड़ा से की। यही उनकी महानता थी। आधुनिक रेडक्रॉस आंदोलन की स्थापना से लगभग डेढ़ शताब्दी पहले उनकी यह सेवा मानवीय निष्पक्षता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत करती है, जिसे आज भी मानवता के इतिहास में सम्मान के साथ याद किया जाता है।

#करुणा के संस्कारों से बना एक सेवक

भाई घनैया जी का जन्म सामान्यतः 1648 ईस्वी में सोढरा नामक स्थान पर माना जाता है, जो वर्तमान पाकिस्तान के वजीराबाद क्षेत्र के निकट है। उनका परिवार धम्मन खत्री समुदाय से संबंधित था। उनके पिता का नाम नन्हु राम और माता का नाम सुंदरी बताया जाता है। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी थी, लेकिन घनैया जी की रुढ़ि सांसारिक संपन्नता से अधिक सेवा, साधना और मानवीय कल्याण में थी।

उनके बाल्यकाल से जुड़ी परंपराएं उन्हें दयालु, विनम्र और जरूरतमंदों की सहायता करने वाला व्यक्ति बताती हैं। इन प्रसंगों का मूल संदेश स्पष्ट है—करुणा अचानक किसी बड़े अवसर पर पैदा नहीं होती। वह छोटे-छोटे व्यवहारों में विकसित होती है। किसी जरूरतमंद को कुछ देना, किसी थके व्यक्ति का भार हल्का करना और किसी दुखी की बात सुनना ही आगे चलकर बड़े मानवीय चरित्र का आधार बनता है।

उनका आध्यात्मिक जीवन गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाओं

से प्रभावित हुआ। उन्होंने सेवा, विनम्रता और ईश्वर की व्यापक सत्ता को अपने जीवन का आधार बनाया। बाद में वे गुरु गोबिंद सिंह जी के समय की सिख परंपरा से जुड़े और उनकी सेवा-भावना को व्यावहारिक रूप दिया। उनके जीवन की उपलब्धि केवल किसी धार्मिक परंपरा से जुड़ना नहीं थी, बल्कि उस परंपरा के मानवीय मूल्यों को अपने आचरण में उतारना था।

आनंदपुर की रणभूमि और पानी की मशक

सत्रहवीं शताब्दी के अंतिम वर्षों और अठारहवीं शताब्दी के आरंभ में आनंदपुर साहिब संघर्षों का केंद्र बना रहा। वहाँ मुगल सेना और पहाड़ी शासकों की सेनाओं के साथ सिखों के संघर्ष हुए। आनंदपुर के घेरे की तिथि को लेकर ऐतिहासिक विवरणों में 1704 और 1705, दोनों का उल्लेख मिलता है। इसलिए भाई घनैया जी की सेवा को किसी एक निश्चित वर्ष से जोड़ते समय सावधानी आवश्यक है। युद्ध में तलवारों की टकराहट से अधिक भयावह दृश्य तब होता है, जब घायल सैनिक जमीन पर पड़ा पानी माँग रहा हो। चोट से बहता रक्त, सूखते होंठ, असहनीय पीड़ा और मृत्यु की आशंका—उस समय घायल व्यक्ति के लिए सबसे बड़ा प्रश्न यह नहीं होता कि कौन-सी सेना जीतेगी। उसका सबसे बड़ा प्रश्न होता है कि क्या कोई उसकी प्यास बुझाएगा?

भाई घनैया जी इसी प्रश्न का उत्तर बनकर सामने आए। वे अपनी मशक में पानी लेकर युद्धभूमि में जाते और घायल सैनिकों को पिलाते। सिख हों या विरोधी पक्ष के सैनिक, वे किसी के साथ केवल उसकी पक्षगत पहचान के आधार पर भेदभाव नहीं करते थे। उनके लिए घायल मनुष्य पहले था, सैनिक बाद में।

यहाँ उनके चरित्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष सामने आता है। उन्होंने युद्ध की वास्तविकता से आँखें नहीं मूंदी, लेकिन युद्धरत पक्षों के बीच भी मनुष्य की गरिमा को नष्ट नहीं होने दिया। उनके व्यवहार में यह संदेश था कि संघर्ष किसी उद्देश्य की रक्षा के लिए हो सकता है, पर घायल की प्यास बुझाना किसी पक्ष की जागीर नहीं है।

गुरु के सामने उठे प्रश्न का उत्तर

भाई घनैया जी की इस सेवा से संबंधित सिख परंपरा में एक प्रसिद्ध प्रसंग मिलता है। बताया जाता है कि कुछ सिख सैनिकों ने गुरु गोबिंद सिंह जी के सामने आपत्ति रखी कि जिस विरोधी से वे युद्ध कर रहे हैं, भाई घनैया उसी को

पानी पिलाकर फिर से जीवित रहने में सहायता दे रहे हैं। इस प्रसंग का ऐतिहासिक महत्त्व केवल शिकायत और उत्तर में नहीं, बल्कि उस नैतिक प्रश्न में है जो इसके भीतर छिपा है—क्या शत्रुता किसी घायल मनुष्य को सहायता से वंचित करने का अधिकार दे देती है?

परंपरागत विवरणों में भाई घनैया जी का उत्तर इस भाव को व्यक्त करता है कि उन्हें घायल व्यक्तियों में कोई अलग शत्रु दिखाई नहीं देता, उन्हें प्रत्येक में उसी परमात्मा का प्रकाश दिखाई देता है, जिसकी शिक्षा गुरु ने दी है। यह संवाद शब्दशः प्रमाणित ऐतिहासिक अभिलेख की तरह नहीं, बल्कि सिख परंपरा में सुरक्षित नैतिक प्रसंग के रूप में समझना उचित है।

इस प्रसंग के अनुसार, गुरु गोबिंद सिंह जी ने उनकी सेवा-भावना की सराहना की और उन्हें घायलों की देखभाल के लिए मरहम लगाने की सामग्री भी दी। इस प्रकार पानी पिलाने की सेवा के साथ घावों की देखभाल का संदेश भी जुड़ गया।

यहीं इस कथा का सबसे गहरा अर्थ सामने आता है। गुरु की शिक्षा और भाई घनैया जी का आचरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं थे। गुरु का संघर्ष अन्याय और धार्मिक स्वतंत्रता की रक्षा के लिए था, भाई घनैया जी की सेवा युद्ध में घायल मनुष्यों की पीड़ा कम करने के लिए थी। दोनों के उद्देश्य अलग थे, लेकिन दोनों के केंद्र में मानवीय गरिमा का विचार था।

सेवा से बनी परंपरा

भाई घनैया जी को सेवापंथी परंपरा का संस्थापक माना जाता है। उनके बाद भाई सेवा राम सहित उनके अनुयायियों ने सेवा की इस धारा को आगे बढ़ाया। सेवापंथी परंपरा में आध्यात्मिक साधना के साथ मानवसेवा, जरूरतमंदों की सहायता और विनम्रता को विशेष महत्त्व मिला। इसे केवल एक ऐतिहासिक घटना तक सीमित कर देना उनके योगदान को छोटा कर देगा। उनकी विरासत का मूल संदेश यह नहीं है कि हर परिस्थिति में संघर्ष छोड़ दिया जाए या अन्याय के सामने आत्मसमर्पण कर दिया जाए। इसका संदेश है कि न्याय की रक्षा करते हुए भी करुणा को बरने नहीं देना चाहिए। अन्याय का विरोध करना और घायल के प्रति दया रखना—ये दोनों एक साथ संभव हैं।

यदि समाज इस अंतर को समझ ले, तो असहमति शत्रुता में

परिवहन को मजबूत बनाते हैं।

आर्थिक विकास की रफ्तार भी उत्साहजनक है। सरकारी अनुमानों के मुताबिक 2025-26 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.6 प्रतिशत रही। पिछले साल यह 7.1 प्रतिशत थी। घरेलू मांग, निवेश और सेवा क्षेत्र ने इसमें योगदान दिया।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी देखना होगा। 2023 में करीब 7.5 करोड़ भारतीय अब भी बेहद गरीब थे। 4.20 डॉलर वाली सीमा के नीचे रहने वालों की संख्या इससे कहीं ज्यादा थी। उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल तक कई इलाके आज भी बदहाली से जूझ रहे हैं।

अब नजर भारत से आगे पूरी दुनिया पर डालिए। विश्व बैंक के अनुसार दुनिया में आज भी 80 से 85 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी में जी रहे हैं। 1990 से अब तक करीब 150 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए हैं। लेकिन कोरोना महामारी, युद्ध, महंगाई और महंगी ऊर्जा ने प्रगति की रफ्तार रोक दी है।

भारत ने लंबी छलांग लगाई है। मगर विकसित राष्ट्र बनने की असली परीक्षा अभी बाकी है। एक्सप्रेसवे और योजनाएं जरूरी हैं, लेकिन इनके साथ शिक्षित नागरिक, स्वस्थ समाज, मजबूत उद्योग और सम्मानजनक रोजगार भी चाहिए।

विकास का असली पैमाना अमीरों की बढ़ती दौलत नहीं, गरीबों की घटती तादाद है। भारत को ही नहीं, पूरी दुनिया को ऐसा विकास चाहिए जिसमें कोई पीछे न छूटे। गरीबी से मुक्ति पहली मंजिल है। सम्मान, समान अवसर और खुशहाली असली मंजिल हैं।

सम्पादकीय

बदलने से बच सकती है। यदि परिवार इस अंतर को समझ ले, तो मतभेद संबंधी का अंत नहीं बनेंगे। और यदि धर्म के अनुयायी इसे समझ लें, तो धार्मिक पहचान दूसरों के प्रति घृणा का कारण बनने के बजाय सेवा की प्रेरणा बनेगी।

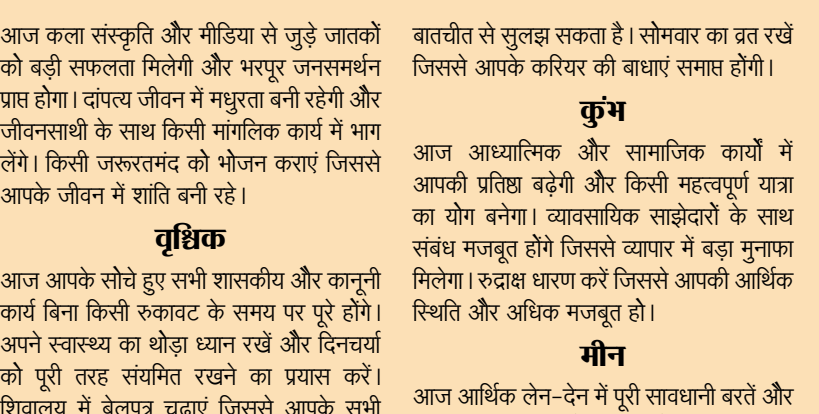
रेडक्रॉस और भाई घनैया जी : समान मानवीय भावना, अलग ऐतिहासिक संदर्भ
<p>आधुनिक रेडक्रॉस आंदोलन का इतिहास रिव्चरजलैंड के हेनरी डयूनां से जुड़ा है। 1859 में इटली के सोलफेरिनो युद्ध के बाद घायल सैनिकों की दुर्दशा देखकर डयूनां ने युद्धपीड़ितों की सहायता के लिए संगठित व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। उनके प्रयासों से 1863 में अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस समिति की स्थापना की दिशा में निर्णायक कदम उठा और 1864 में प्रथम जिनेवा अभिसमय अपनाया गया।</p> <p>भाई घनैया जी की सेवा इससे लगभग डेढ़ शताब्दी पहले की मानी जाती है। इसलिए उन्हें आधुनिक रेडक्रॉस आंदोलन का ऐतिहासिक संस्थापक कहना उचित नहीं होगा, लेकिन उन्हें युद्धभूमि में मित्र और विरोधी के भेद से ऊपर उठकर घायलों की सहायता करने वाले अग्रणी मानवीय सेवकों में गिनना पूरी तरह सार्थक है।</p> <p>दोनों के बीच वास्तविक समानता किसी संस्था की स्थापना में नहीं, बल्कि उस सिद्धांत में है कि युद्धरत पक्षों से संबंधित होने के कारण किसी घायल व्यक्ति की पीड़ा को अनदेखा नहीं किया जाना चाहिए। भाई घनैया जी ने इसे अपने व्यक्तिगत आचरण में लिया, रेडक्रॉस आंदोलन ने बाद में ऐसी मानवीय सहायता को संगठित और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप देने का काम किया।</p> <p>इस तुलना में किसी की महानता घटाने की आवश्यकता नहीं है। इतिहास का सम्मान तभी होता है, जब हम अलग-अलग युगों के योगदान को उनके वास्तविक संदर्भ में समझते हैं।</p> <p>आज भी हमारे सामने खड़ी है वह मशक</p> <p>आज युद्ध केवल रणभूमि में नहीं दिखाई देता। वह समाज में धार्मिक विद्वेष, जातिगत भेदभाव, राजनीतिक कटुता, पारिवारिक संघर्ष और आर्थिक असमानता के रूप में भी सामने आता है। इन परिस्थितियों में भाई घनैया जी का जीवन हमसे एक कठिन प्रश्न पृच्छा है—क्या हम किसी व्यक्ति की सहायता करने से पहले उसकी पहचान जाँचते हैं?</p>

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल	दिनांक 02 नवंबर 2026 सोमवार
<p>कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!</p>	<p>दिनांक 02 नवंबर 2026 सोमवार</p>
<p>प्रिय पाठकों, TNF टुडे हमेशा आपकी सुविधा को सर्वोपरि रखता है। इसी उद्देश्य से हम आपके एक दिन अग्रिम (Advance) राशिफल प्रदान कर रहे हैं ताकि आप अपने महत्वपूर्ण कार्यों, बैठकों और यात्राओं की योजना आज रात से बना सकें। सितारों की चाल की पहली सीढ़ी है।</p>	


<p>शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल</p> <p>आज वृष मिथुन कर्क वृश्चिक धनु और मीन राशि के जातकों का मानसिक मोनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। सोमवार का दिन देवों के देव महादेव भगवान शिव और चंद्रमा की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन शिवालय में जाकर शिवलिंग पर कच्चा दूध और बेलपत्र अर्पित करने तथा महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने से जीवन के सभी मानसिक संताप दूर होते हैं और अटूट शांति तथा ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।</p>

मेघ
<p>आज कार्यक्षेत्र में आपके पराक्रम और नेतृत्व क्षमता की खुलकर सराहना होगी जिससे आपका प्रभाव काफी बढ़ेगा। आर्थिक मामलों में किए गए पूर्व प्रयासों से अचानक बड़ा धन लाभ होने की पूरी संभावना बन रही है। शिवलिंग पर जल अर्पित करें जिससे आपके सभी संकट दूर हों।</p>
वृष
<p>आज व्यापार में किसी नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने का बहुत ही अनुकूल समय है और कला जगत से जुड़े लोगों को बड़ी सफलता मिलेगी। पारिवारिक जीवन में सुख और शांति का वातावरण बना रहेगा जिससे आपका मन प्रफुल्लित रहेगा। मंदिर में दूध का दान करें जिससे आपके भाग्य के द्वार खुलेंगे।</p>
मिथुन
<p>आज आपकी बौद्धिक क्षमता और तार्किक शक्ति से आपके सभी जटिल और रुके हुए कार्य तेजी से हल होंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अध्ययन और प्रतियोगिता परीक्षा में बड़ी सफलता दिलाने वाला रहेगा। शिव चालीसा का नियमित पाठ करें जिससे आपकी संपत्ति और कार्यकुशलता में</p>


<p>वृद्धि हो।</p>
कर्क
<p>आज भूमि भवन या अरवल संपत्ति के क्रय-विक्रय से जुड़ा कोई रुका हुआ मामला सुलझने से मन में उत्साह रहेगा। माता-पिता का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन प्रभाव होगा जो आपके लिए बहुत लाभदायक रहेगा। मंदिर में सफेद वस्तु भेंट करें जिससे आपके घर में सुख समृद्धि का वास हो।</p>
सिंह
<p>आज समाज और कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व तथा मान-सम्मान चरम पर होगा और विरोधी आपके</p>


वृश्चिक
<p>आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने विनाशक्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। शिवालय में बेलपत्र चढ़ाएं जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।</p>
धनु
<p>आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। मंदिर में दीपक जलाएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।</p>
मकर
<p>आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी</p>

आज का वास्तु शोधनम सूर्य

सोमवार के दिन घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण को पूरी तरह स्वच्छ रखकर वहां जल से भरा तांबे का कलश स्थापित करने तथा मनुष्य द्वार पर गंगाजल छिड़कने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा भगवान शिव की कृपा से घर में सकारात्मक ऊर्जा, पवित्रता और सुख-शांति का स्थायी वास होता है।

पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत खुद से करें विद्यार्थी: नगर आयुक्त

क्लाइमेट पे चर्चा ३.0 में 11 स्कूलों के विद्यार्थियों ने रखे विचार, वृंदावन पब्लिक स्कूल रहा प्रथम

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के प्रति विद्यार्थियों को जागरूक करने के उद्देश्य से नगर निगम मथुरा-वृंदावन एवं प्रोजेक्ट मथुरा के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार को भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में ह्वाक्लाइमेट पे चर्चा 3.0ह्वा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 11 विद्यालयों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने विद्यार्थियों

का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में तीन चरणों में धार्मिक अपशिष्ट के निस्तारण कचरा जलाने और पटाखों से होने वाले प्रदूषण पर चर्चा हुई। विद्यार्थियों ने कहा कि पूजा-पाठ में प्रकृति से प्राप्त होने वाली सामग्रियों का ही इस्तेमाल करना चाहिए। धार्मिक आयोजनों में प्लास्टिक और कृत्रिम सजावटी सामग्री के बजाय प्राकृतिक एवं पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने चाहिए। विद्यार्थियों ने नए साल और शादी समारोह जैसे आयोजनों में पटाखों का इस्तेमाल कम से कम करने तथा उत्सवों को



आतिशबाजी पर निर्भर न रखने का संदेश दिया।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने विद्यार्थियों से पर्यावरण संरक्षण स्वच्छता एवं प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर संवाद करते हुए कहा

कि पर्यावरण संरक्षण की शुरुआत स्वयं से करनी होगी। प्रत्येक विद्यार्थी अपने घर विद्यालय और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता एवं पर्यावरण अनुकूल आदतों को अपनाए तथा अन्य लोगों को भी

इसके लिए जागरूक करे। बच्चों की छोटी-छोटी पहल भविष्य में बड़े सकारात्मक बदलाव का आधार बन सकती है।

विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों के आधार पर वृंदावन पब्लिक स्कूल ने प्रथम आर्मी पब्लिक स्कूल ने द्वितीय तथा माउंट हिल एकेडमी गोकुलपुरा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वृंदावन पब्लिक स्कूल के स्पर्श ने पूजा के फूलों से अगरबत्ती और इत्र बनाने की बात कही। जयपुरिया स्कूल की अनामिका ने मिट्टी से गणेश प्रतिमा बनाने डीपीएस की विदुषी ने उत्सवों की परिभाषा बदलने तथा माउंट

हिल एकेडमी की प्रिंसी ने बीजों से राखी बनाने के प्रयास साझा किए।

कार्यक्रम में इको लीडरशिप अवार्ड के लिए रमनलाल सोरावाला स्कूल की पायल आर्मी पब्लिक स्कूल की तनुश्री कान्हा माखन मिलेनियम के ज्ञानेश जयपुरिया स्कूल की अनामिका एवं माउंट हिल एकेडमी की अन्वी को सम्मानित किया गया। ग्रीन इनोवेटर अवार्ड के लिए जयपुरिया स्कूल की लक्षिता एवं अनामिका डीपीएस की विदुषी माउंट हिल एकेडमी की प्रिंसी तथा वृंदावन पब्लिक स्कूल के विनय कुमार सिंह को प्रमाणपत्र

प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त पांच विद्यार्थियों को क्लाइमेट एक्शन अवार्ड से सम्मानित किया गया।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने कहा कि अगले कार्यक्रम में विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन केंद्र का भ्रमण कराया जाएगा। वहां उन्हें कचरे के निस्तारण की पूरी प्रक्रिया दिखाई जाएगी ताकि वे कचरा प्रबंधन की वास्तविक कार्यप्रणाली को समझ सकें और अपने स्तर पर भी स्वच्छता के प्रति जिम्मेदारी निभा सकें।

प्रोजेक्ट मथुरा के संस्थापक विपुल अग्रवाल ने कहा कि संस्था

आगे भी इको क्लब और विद्यालयों में कार्यशालाएं आयोजित करती रहेगी। बदलाव धीरे-धीरे और सभी बच्चों को साथ लेकर ही संभव है। इसी उद्देश्य से जल्द ही क्लाइमेट पे चर्चा 4.0 का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में नगर निगम की आईसी टीम प्लान फाउंडेशन तथा प्रोजेक्ट मथुरा की टीम से कृष्णा श्री अर्पिता दीपक अमन विवेक शिवांगी सिद्धि मनीष उदय काव्य एवं नवज्योति सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डीएम ने कलेक्ट्रेट परिसर का किया निरीक्षण

रख-रखाव पर दिया विशेष बल

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।



व्यवस्थित रूप से करवाने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट कार्यालय के ठीक बगल में निमाणांधीन कक्षों के कार्य का अवलोकन किया तथा निर्देश दिये कि कार्य को समयबद्धता एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने नगर मजिस्ट्रेट के न्यायालय, नजारत, अभियोजन कार्यालय में निकट पार्क, संग्रह अनुभाग, नगरीय निकाय अनुभाग, विशेष भूमि अध्यापित अधिकारी कार्यालय, शस्त्र अनुभाग आदि का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने पार्क में लगे पौधों एवं पेड़ों की नियमित छटाई, पार्क की घास की कटाई, पार्क की सफाई आदि के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट के विभिन्न कार्यालयों के प्रयोगार्थ नवीन अलमारी, बेच, कुर्सी, टेबल आदि का अवलोकन किया। जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी प्रशासन के कार्यालय के ठीक सामने स्थित पार्क के चारों ओर लोहे की ग्रिल के कार्य को देखा तथा शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पेयजल की व्यवस्था को देखा। शौचालयों की नियमित साफ-सफाई कराने के निर्देश दिए। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्यालय अपने-अपने अभिलेखों का सुरक्षित रख-रखाव सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने जीर्ण-शीर्ण भवनों की मरम्मत कराने के निर्देश भी दिए।

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

भारत के लौह पुरुष एवं देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री तथा गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल जी की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सरदार वल्लभभाई पटेल जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इसके उपरांत जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सुरक्षा की शपथ दिलाई। अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने तथा देशवासियों के बीच एकता, भाईदारी एवं सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करने का संकल्प लिया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने सरदार वल्लभभाई पटेल जी के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय



योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्रसेवा, त्याग, समर्पण, दृढ़ इच्छाशक्ति एवं अदम्य साहस का प्रतीक रहा है। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देश की आजादी के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात देश के समक्ष सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक विभिन्न देशी रियासतों का भारतीय संघ में एकीकरण करना था।

सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने अपनी असाधारण नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता, कूटनीतिक सूझबूझ एवं दृढ़ संकल्प के बल पर इस चुनौतीपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। उनके इसी योगदान के कारण उन्हें लौह पुरुष के नाम से जाना जाता है। जिलाधिकारी ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल जी ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए जो ऐतिहासिक कार्य किया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका मानना था कि किसी भी राष्ट्र

की वास्तविक शक्ति उसकी एकता, संगठन एवं सामूहिक संकल्प में निहित होती है।

जिलाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक स्मरण दिवस नहीं है, बल्कि यह हम सभी को राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता के प्रति अपने दायित्वों का बोध कराने का महत्वपूर्ण अवसर भी है। जिलाधिकारी ने कहा कि आपसी सौहार्द, सामाजिक समरसता, पारस्परिक सहयोग एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करते हुए देश की एकता एवं अखंडता को बनाए रखना



घीया मंडी में तीन मंजिला इमारत में लगी भीषण आग, मची अफरा-तफरी

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

घीया मंडी स्थित अब्बार टीवी रिपेयरिंग की दुकान और मकान वाली तीन मंजिला इमारत में शनिवार सुबह करीब नौ बजे भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग की लपटें उड़ती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और इमारत में रखा सामान इसकी चपेट में आ गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत करते हुए आग बुझाने का अभियान शुरू किया और काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पाया। आग से इमारत में रखे सामान को भारी नुकसान पहुंचने की आशंका है। घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य चलाया गया। गंभीरत रही कि इस भीषण अग्निकांड में कोई जनहानि नहीं हुई। फिलहाल नुकसान का अंदाजन किया जा रहा है और आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच की जा रही है।

3500 कनेक्शन काटे नौटंकी में जीवंत हुई कृष्ण-सुदामा की मित्रता

राजस्व वसूली के लिए शहर से देहात तक चला अभियान

टीएनएफ टुडे ब्यूरो, मथुरा।

बिजली का बकाया जमा नहीं करने वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ विद्युत निगम ने सख्त रुख अपना लिया है। राजस्व वसूली के लिए शहर से लेकर देहात तक चलाए जा रहे अभियान के तहत अब तक करीब 3500 बकाएदारों के बिजली कनेक्शन काटे जा चुके हैं। बिजली गुल होते ही बड़े संख्या में उपभोक्ता बिजलीघरों और विभागीय कार्यालयों में बिल जमा कराने पहुंच रहे हैं। वहीं कर्मचारियों द्वारा बकाएदारों को फोन कर भुगतान के लिए लगातार संपर्क किया जा रहा है। मथुरा जोन को 145 करोड़ रुपये से अधिक राजस्व वसूली का लक्ष्य दिया गया है। इसके सापेक्ष अब तक करीब 135

■ बिल जमा करने के लिए उपभोक्ताओं को किए जा रहे फोन

■ मुख्य अभियंता ने अधीनस्थों को दिए लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका है। लक्ष्य पूरा करने के लिए निगम ने वसूली अभियान तेज कर दिया है। शनिवार को भी शहर और देहात क्षेत्र में अभियान चलाया गया। शहरी क्षेत्र में पिछले दो-तीन दिनों से ऑनलाइन माध्यम से बिजली आपूर्ति बंद कर बकाएदारों के कनेक्शन विच्छेद किए जा रहे हैं।

बिजली आपूर्ति बंद होने के बाद उपभोक्ता बकाया बिल जमा कराने के लिए बिजलीघरों और कार्यालयों के चक्कर लगा रहे

हैं। कई उपभोक्ताओं ने ऑनलाइन भुगतान कर दिया। इसके बाद संबंधित कर्मचारियों और अभियंताओं को भुगतान का संदेश दिखाकर बिजली आपूर्ति दोबारा शुरू कराई। जिन उपभोक्ताओं ने बकाया जमा कर दिया उनके कनेक्शन जोड़ दिए गए।

अधिशासी अभियंता अनिल ने भी अधीनस्थ कर्मचारियों से अभियान की प्रगति की जानकारी ली। वहीं मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने समीक्षा बैठक कर राजस्व वसूली की स्थिति पर चर्चा की। उन्होंने अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्धारित लक्ष्य हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही जिन क्षेत्रों में राजस्व वसूली कम है वहां विशेष अभियान चलाकर बकाया वसूली में तेजी लाने को कहा।

ब्रजरज उत्सव की सांस्कृतिक संध्या में शनिवार को पद्मश्री रामदयाल शर्मा ने नौटंकी की प्रस्तुति से दर्शकों को भारतीय लोकनाट्य की समृद्ध परंपरा से रूबरू कराया। धौलीप्याऊ स्थित रेलवे ग्राउंड के मंच पर कृष्ण-सुदामा की अटूट मित्रता की कथा को पारंपरिक नौटंकी शैली में प्रस्तुत किया गया। संगीत, लोकगायन, प्रभावशाली संवाद और सजीव अभिनय ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया। उत्तर प्रदेश विगत तीर्थ विकास परिषद, पटौन विभाग और जिला प्रशासन द्वारा आयोजित ब्रजरज उत्सव में नौटंकी के माध्यम से हाथरस की पारंपरिक लोकनाट्य शैली की झलक देखने को मिली। नौटंकी के क्षेत्र में विशेष पहचान रखने वाले रामदयाल शर्मा के निर्देशन में प्रस्तुत इस नाट्य में गुरुकुल के दिनों के कृष्ण और सुदामा की मित्रता, समय के साथ दोनों के जीवन में आए अंतर और सुदामा की दरिद्रता के प्रसंगों को भावपूर्ण अंदाज में उकेरा गया।

पत्नी के आग्रह पर मुद्दीभर चावल की पोटली लेकर द्वारिका पहुंचे सुदामा और अपने बालसखा को देखते ही कृष्ण के



भावुक हो उठने का प्रसंग विशेष आकर्षण बना। कृष्ण द्वारा सुदामा को गले लगाने और उनके चरण पछाकार सम्मान देने के दृश्य ने मित्रता, प्रेम और समर्पण का संदेश दिया। सुदामा की संकोच भरी मुद्रा और कृष्ण के आत्मीय व्यवहार ने कथा को मार्मिक बना दिया।

कृष्ण-सुदामा की मित्रता की कथा पर आधारित इस चर्चित प्रस्तुति का मंचन 30 सदस्यीय कलाकारों के दल ने किया। इस कथानक को पारंपरिक लोकगायन, चौताल, लावनी और नाटकीय संवादों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुति के दौरान दर्शकों ने तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

इससे पूर्व इसी मंच पर हकीम सिंह ने लोकगीत गायन, एकता जैन ने लोकगायन एवं नृत्य, शरद अग्रवाल, कीर्तिदेव बल्लभ



पाटक ने भजन और स्याकं थुप ने नाटक प्रस्तुत किया।

इस दौरान उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के एसीईओ राजीव पाण्डेय, डिप्टी सीईओ सतीश चंद, सहायक अभियंता जेके जैन, चंद्रिका राय, चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार, अनुप शर्मा आदि मौजूद रहे।

सांडी कला, चित्रांकन और हस्तनिर्मित उत्पाद बेह आकर्षण रेलवे ग्राउंड, धौली प्याऊ में आयोजित ब्रजरज उत्सव-2026 में सांडी कला बनाने की विधि का प्रदर्शन किया जा रहा है। उत्सव के गोकुल ग्राम में बलदेव पब्लिक स्कूल की कला शिक्षिका कु. प्रति चौहान केनवास पर भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी के सुंदर चित्र उकेर रही हैं। उनके चित्रों को देखने के लिए लोग पहुंच रहे हैं। वहीं चित्रकार विपिन कुमार उत्सव में आने

- ब्रजरज उत्सव में पद्मश्री रामदयाल शर्मा ने बिखेरे लोककला के रंग, तालियों से गुंजा पंडाल

वाले लोगों के लाइव पोर्ट्रेट बना रहे हैं। लोग भी अपने चेहरे का चित्र बनवाने में रुचि दिखा रहे हैं। उत्सव में खजानी इंस्टीट्यूट तथा दक्ष एजुकेशन की प्रशिक्षित छात्राओं द्वारा हाथों से तैयार किए गए गाय के गोबर के दीपक, सजावटी झारन, खिलौने, ज्वेलरी, पागड़ी और बंदनवार सहित विभिन्न आकर्षक उत्पाद लोगों को लुभा रहे हैं।

कन्हैया के धाम को स्वच्छ रखना भी भक्ति, नाटक ने जगाई जिम्मेदारी

ब्रजरज उत्सव में हार्टफुलनेस की प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को किया जागरूक, मदिरों, यमुना घाटों और कुंडों की स्वच्छता का दिया संदेश मथुरा। भगवान श्रीराधा-कृष्ण के दर्शन और उनकी लीलास्थली की रज माथे से लगाने के लिए देश-दुनिया से श्रद्धालु मथुरा, वृंदावन, गोवर्धन, बरसाना और गोकुल आते हैं। लेकिन विडंबना है कि जिन आराध्य के धाम में लोग श्रद्धा से शीश झुकाते हैं, उसी भूमि को कूड़ा-कचरा फैलाकर प्रदूषित भी करते हैं। सड़कों और नालियों में फेंकी जा रही पानी की खाली बोतलों, प्लास्टिक और खाद्य पदार्थों के रैपर

के साथ यमुना के घाटों पर पसरी गंदगी ब्रज की पवित्रता पर सवाल खड़े करती है। आखिर अपने आराध्य के धाम को गंदा कर कैसी भक्ति? इसी सवाल को ब्रजरज उत्सव में नाटक के माध्यम से प्रभावशाली ढंग से उठाया गया।

ब्रजवैभव अभियान के तहत हार्टफुलनेस की ओर से धौली प्याऊ रेलवे ग्राउंड स्थित उत्सव के मंच पर 'हम सबने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है' थीम पर नाटक प्रस्तुत किया गया। कलाकारों ने संदेश दिया कि श्रीराधा-कृष्ण के प्रति सच्ची श्रद्धा केवल मदिरों में दर्शन, पूजा और भजन तक सीमित नहीं है, बल्कि उनकी लीलाभूमि, यमुना, कुंडों, सरोवरों और घाटों की स्वच्छ रखना भी भक्ति का अभिन्न अंग है। प्रस्तुति में श्रद्धालुओं से अपील की गई कि ब्रज यात्रा के दौरान सड़कों, नालियों और यमुना के घाटों पर कूड़ा न फेंकें। वहीं स्थानीय लोगों और दुकानदारों से भी आग्रह किया गया कि दुकानों और प्रतिष्ठानों का कचरा सार्वजनिक स्थलों पर न डालें, प्लास्टिक का उपयोग कम करें और श्रद्धालुओं को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करें। ब्रजवासी अपने आचरण से स्वच्छता की मिसाल पेश करने का संदेश दिया गया।

सोरों में चोरी का सनसनीखेज खुलासा: 4 लाख की ज्वैलरी और नकदी के साथ दो शातिर चोर गिरफ्तार, एक का लंबा आपराधिक इतिहास

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

थाना सोरों पुलिस को चोरी की एक बड़ी घटना का खुलासा करने में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने घर का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवर और नकदी चुराने वाले दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए बदमाशों के कब्जे से करीब 4 लाख रुपये कीमत की चोरी की ज्वैलरी और 5,200 रुपये नकद बरामद हुए हैं। मुख्य आरोपी शातिर अपराधी हैं, जिसके खिलाफ पहले से ही आधा दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज हैं।

दीपावली पर सुरक्षा मानकों की अनदेखी पड़ेगी भारी

पटाखा कारोबारियों संग बैठक में प्रभारी निरीक्षक की सख्त चेतावनी



कासगंज। आगामी दीपावली के त्यौहार को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से शनिवार को थाना कोतवाली कासगंज परिसर में एक अहम बैठक आयोजित की गई। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली की अध्यक्षता में संपन्ना हुई इस बैठक में शहर के प्रमुख पटाखा बिक्री केंद्रों—बाराद्वारी, जयपुरिया स्कूल के समीप तथा नदरई क्षेत्र के लाइसेंसधारी एवं प्रमुख पटाखा विक्रेताओं ने हिस्सा लिया। बैठक के दौरान पुलिस प्रशासन ने शासन व उच्चाधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा दिशा-निर्देशों का हवाला देते हुए पटाखा कारोबारियों को कड़े शब्दों में हिदायत दी। प्रभारी निरीक्षक ने स्पष्ट किया कि दीपावली मेले और बिक्री स्थलों पर सुरक्षा मानकों से किसी भी सूरत में खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कुंडा विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ 'राजा भैया' का जन्मदिन शनिवार को जनपद में बेहद हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। आवास विकास कॉलोनी स्थित पार्टी के कैंप कार्यालय पर जिलाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्रा की अध्यक्षता में जनसत्ता परिवार कासगंज ने उनके दीघायु और स्वस्थ जीवन को कामना करते हुए केक काटा और एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया।

कैंप कार्यालय पर उमड़े पदाधिकारी और कार्यकर्ता

जन्मदिन के इस विशेष अवसर पर जनसत्ता दल के कैंप कार्यालय पर कार्यक्रमों की भारी भीड़ जुटी। जिलाध्यक्ष शैलेंद्र कुमार मिश्रा ने राजा भैया के व्यक्तित्व और कृतित्व पर



प्रकाश डालते हुए उन्हें युवा दिलों की धड़कन और जनप्रिय नेता बताया। इस दौरान पूरे कार्यालय परिसर में "जय जनसत्ता, जय रघुराज" और "राजा भैया जिंदाबाद" के नारों से गुंज उठा। उपस्थित सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने अपने प्रिय नेता को जन्मदिन की अनन्त शुभकामनाएं दीं।

समारोह में ये रहे प्रमुख रूप से मौजूद

कार्यक्रम के दौरान पार्टी के कई वरिष्ठ पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें मुख्य रूप से: जिला उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र सोलंकी



पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में हुई कार्रवाई घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री ओ.पी. सिंह ने मामले के शीघ्र अनावरण और अभियुक्तों की

गिरफ्तारी के कड़े निर्देश दिए थे।

अपर पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री पुलिस अधीक्षक कासगंज श्री ओ.पी. सिंह ने मामले के शीघ्र अनावरण और अभियुक्तों की

राष्ट्रीय एकता दिवस' पर पुलिस बल को दिलाई देश की अखंडता की शपथ

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

भारत के लौह पुरुष, देश के प्रथम उप-प्रधानमंत्री एवं गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर शनिवार को जनपद कासगंज में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' अत्यंत हर्षोल्लास और गरिमा के साथ मनाया गया। देश को एक सूत्र में पिरोने वाले महान नायक के योगदान को याद करते हुए जनपद के समस्त पुलिस कार्यालयों, थानों और पुलिस लाइन में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक ने इस दौरान पुलिसकर्मियों को देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा की शपथ दिलाई।

पुलिस लाइन और कार्यालयों में गुंजा एकता का संकल्प

रिजर्व पुलिस लाइन कासगंज में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. सिंह ने वहां उपस्थित समस्त पुलिस



अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने की आधिकारिक शपथ दिलाई। इसी क्रम में, पुलिस कार्यालय कासगंज में अपर पुलिस अधीक्षक श्री आलोक सिंह ने नेतृत्व में भव्य शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ, जिसमें कार्यालय के समस्त स्टाफ और पुलिसकर्मियों ने बड़-चढ़कर हिस्सा लिया।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में

रन फॉर यूनिटी' में उमड़ा जनसैलाब, डीएम और एसपी की अगुवाई में दौड़ा शहर, ड्रोन से रखी गई चप्पे-चप्पे पर नजर

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

राष्ट्रीय एकता दिवस के पावन अवसर पर शनिवार को जनपद में देश की एकता और अखंडता का संदेश देने के लिए 'रन फॉर यूनिटी' (एकता दौड़) का भव्य आयोजन किया गया। जिलाधिकारी श्री प्रणय सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. सिंह के संयुक्त नेतृत्व में निकली इस दौड़ में पुलिसकर्मियों, व्यापारी बंधुओं और स्कूली छात्र-छात्राओं ने भारी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। इस दौरान पूरा शहर देशप्रेम के रंग में रंगा नजर आया।

सोरो गेट तिराहे से गांधी मूर्ति तक गुंजा एकता का नारा

भव्य एकता दौड़ शहर के सोरों गेट तिराहे से प्रारंभ हुई, जो मुख्य मार्गों से होती हुई गांधी मूर्ति चौराहे पर पहुंचकर संपन्न हुई। दौड़ के दौरान बच्चों और युवाओं में खासा

अक्टूबर) को चेकिंग के दौरान मेला ग्राउंड करबा सोरों से दोनों अभियुक्तों को धर दबोचा गया।

गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण सनी जाटव पुत्र राममूर्ति (निवासी बदरिया, थाना सोरों, कासगंज) शिवम उर्फ भूरा पुत्र बिजेन्द्र (निवासी बदरिया, थाना सोरों, कासगंज)

आरोपियों का आपराधिक इतिहास: गिरफ्तार अभियुक्त सनी जाटव आदतन अपराधी है, जिसके खिलाफ थाना सोरों और जनपद के विभिन्न थानों में आम्स एक्ट, चोरी

(380/379 भादवि/बीएनएस), एनडीपीएस एक्ट और गैंगस्टर एक्ट के तहत 16 गंभीर मुकदमे दर्ज हैं। वहीं, दूसरे अभियुक्त शिवम उर्फ भूरा का भी इस मामले में आपराधिक इतिहास सामने आया है।

बरामदगी का विवरण

एक सोने की अंगूठी,एक सोने का मंगलसूत्र,दो जोड़ी सोने की छोटी कान की बाली,एक सोने का मिनी लॉकेट,एक जोड़ी चांदी की रेशम पट्टी,एक जोड़ी चांदी की पायल,एक चांदी की माला,5,200 रुपये नकद

"राष्ट्रीय एकता दिवस केवल एक औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह दिन हमें देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता एवं आपसी सद्भाव को हर कीमत पर बनाए रखने की कड़ी प्रेरणा देता है। सरदार वल्लभभाई पटेल का संपूर्ण जीवन देश सेवा के लिए सर्वस्व समर्पित करने का संदेश देता है।"

उन्होंने आगे कहा कि कासगंज पुलिस राष््र सुरक्षा के इस संकल्प को जमीनी स्तर पर पूरी ईमानदारी के साथ लागू रखेगी।

सख्त सुझा और राष्ट्र निर्माण का संकल्प

शपथ ग्रहण के दौरान पुलिस अधिकारियों व जवानों ने पूरी ऊर्जा के साथ प्रतिज्ञा ली कि वे राष्ट्र की एकता को हमेशा अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे। साथ ही, आंतरिक सुरक्षा को मजबूत करने और समाज में भाईचारा व सौहार्द कायम रखने में अपना पूर्ण योगदान देने का संकल्प लिया।



जोश देखने को मिला। समापन के बाद गांधी मूर्ति चौराहे पर सभी प्रतिभागियों, पुलिसकर्मियों और नागरिकों का उत्साहवर्धन किया गया तथा प्रशासनिक अधिकारियों की ओर से सभी को फल व जलपान वितरित किया गया।

ड्रोन कैमरों से रखी पैनी नजर

आयोजन को पूरी तरह सकुशल, शांतिपूर्ण और सुरक्षित संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा कड़े प्रबंध किए गए थे। सुरक्षा के लिहाज से पूरे दौड़ मार्ग और कार्यक्रम स्थल की ड्रोन कैमरों के माध्यम से विशेष परियल सर्विलांस

(हवाई निगरानी) की गई, जिससे पूरा आयोजन पूरी तरह निर्विघ्न संपन्न हुआ।

जिलेभर के थानों में भी गुंजा एकता का संदेश

मुख्य आयोजन के साथ-साथ पुलिस अधीक्षक श्री ओ.पी. सिंह के कड़े निर्देशों पर जनपद के समस्त थानों में भी 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन किया गया। थाना प्रभारियों के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस बल और क्षेत्रीय संत्रांत नागरिकों ने दौड़ में हिस्सा लेकर समाज में आपसी भाईचारे, सौहार्द और अखंडता का मजबूत संदेश दिया।

पचकुइयां में महाराजा दक्ष प्रजापति द्वार का भव्य भूमि पूजन संपन्न

टीएनएफ टुडे, आगरा।

पचकुइयां स्थित प्राचीन सोमेश्वर नाथ महादेव मंदिर (नालबंद चौराहा, धर्म कांटा के पास) के प्रांगण में प्रजापति समाज द्वारा आयोजित एक गरिमामयी समारोह में 'महाराजा दक्ष प्रजापति द्वार' का भूमि पूजन अत्यंत हर्षोल्लास और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुआ। उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री योगेंद्र उपाध्याय ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करते हुए अपने कर-कमलों से इस ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक द्वार की आधारशिला रखी। इस पावन अवसर पर बड़ी संख्या में प्रजापति समाज के प्रबुद्धजन और क्षेत्रीय नागरिक संक्षी बने।

ऐतिहासिक धरोहर और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक:

भूमि पूजन के पश्चात विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए



भाजपाइयों ने मनाई सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती

कासगंज। अम्नपुर? कस्बे में देश के प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 151 वीं जयंती शनिवार को भाजपाइयों के द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में धूमधाम से मनाई गई। कस्बा के बैकुंठी देवी राष्ट्रीय शिशु सदन विधालय में प्रधानाचार्य जागन सिंह सोलंकी एवं भाजपा कार्यालय पर क्षेत्रीय विधायक हरिओम वर्मा की अध्यक्षता में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के छविचित्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर विधायक हरिओम वर्मा ने उन्हें याद कर उनके जीवन वरित्र पर प्रकाश डालते हुए सभी लोगों से उनके बताए मार्ग पर चलने की अपील की। वहीं प्रधानाचार्य जागन सिंह सोलंकी ने उनके जीवन के आदर्शों को अपनाने की बात कही। इस मौके पर प्रधानाचार्य जागन सिंह सोलंकी, भाजपा जिला महामंत्री संजय सोलंकी, मंडल अध्यक्ष चित्तर सिंह, बृथ अध्यक्ष दशवेश फौजी, सेक्टर प्रभारी नरेश वर्मा, बृथ अध्यक्ष जौती वर्मा, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष धूपेंद्र वर्मा, वीरेंद्र वर्मा, वीरीसंह शाव्य, विवेक वर्मा, भाजपा मीडिया प्रभारी आकाश गुप्ता सर्राफ, तिरमल सिंह, भीमसेन कश्यप, रंजय राजपूत, सौरभ वर्मा, मुनेंद्र राजपूत, सोनू गुप्ता, संजीव माहेश्वरी आदि भाजपाई मौजूद रहे।

सेंट जोसेफ स्कूल की खेलकूद प्रतियोगिता में चमके प्रतिभावान छात्र



कासगंज। शहर के प्रतिष्ठित सेंट जोसेफ स्कूल में आयोजित वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता में छात्रों का उत्साह देखते ही बनता था। शनिवार को आयोजित इस भव्य खेल समारोह में कोतवाली कासगंज की प्रभारी निरीक्षक ने विशिष्ट अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस दौरान विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभावान विद्यार्थियों को मेडल और शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के फादर श्रील भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। खेल भावना और अनुशासन का दिया संदेश समारोह के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रभारी निरीक्षक ने खेल भावना, अनुशासन, परिश्रम और टीमवर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि खेलकूद विद्यार्थियों के शारीरिक और मानसिक विकास का अहम हिस्सा है, जो जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने सभी मेधावी छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य और सर्वांगीण विकास की हार्दिक कामना की। विद्यालय परिवार ने किया सम्मानित इस अवसर पर सेंट जोसेफ स्कूल प्रबंधन और विद्यालय परिवार की ओर से मुख्य अतिथि रही प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कासगंज का भी आत्मीय स्वागत करते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। स्कूल परिसर में खेलकूद को लेकर बच्चों और शिक्षकों में गजब का उत्साह देखने को मिला।

डेंगू की चपेट में आई युवती, जिला अस्पताल में भर्ती

कासगंज। जनपद में इन दिनों संक्रामक रोगों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। सर्दी, खांसी, जुकाम और वायरल बुखार के साथ अब डेंगू भी लोगों को अपनी नज़ में लेने लगा है। लगातार बढ़ रहे बुखार के मामलों के बीच शनिवार को डेंगू से पीड़ित एक युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। चिकित्सकों ने युवती का परीक्षण करने के बाद उसे वार्ड में भर्ती कर उपचार शुरू कर दिया है। जिला अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह करीब 9 बजकर 20 मिनट पर परिजन एक युवती को उपचार के लिए जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। युवती कई दिनों से बुखार से पीड़ित थी। परिजनों ने चिकित्सकों को बताया कि काफी दिनों से उसका उपचार चल रहा है, लेकिन स्वास्थ्य में कोई सुधार नहीं हुआ है। लगातार बुखार बने रहने के कारण परिजनों ने युवती के डेंगू से पीड़ित होने की आशंका भी जताई। इसके बाद अस्पताल में तैनात चिकित्सकों ने युवती की स्थिति का जायजा लिया और आवश्यक रक्त परीक्षण कराया। जांच और चिकित्सकीय परीक्षण के बाद युवती को जिला अस्पताल के वार्ड में भर्ती कर लिया गया। चिकित्सकों की देखरेख में उसका उपचार शुरू कर दिया गया है। वहीं, जनपद में संक्रामक रोगों के बढ़ते मामलों से लोगों में चिंता बनी हुई है।

दीपावली पर हरित आतिशबाजी बिक्री के लिए 6 से 10 नवंबर तक मिलेंगे अस्थायी लाइसेंस

फतेहाबाद। दीपावली पर हरित आतिशबाजी की बिक्री के लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। पूर्वी जनों में 6 से 10 नवंबर तक अस्थायी लाइसेंस जारी किए जाएंगे। सात और आठ नवंबर को दीपावली के मद्देनजर जनसुरक्षा को देखते हुए केवल चिह्नित स्थलों पर ही आतिशबाजी की दुकानें लगाने की अनुमति होगी। पुलिस उपायुक्त पूर्वी जोन अभिषेक अग्रवाल ने बताया कि अनुसार विस्फोटक निगमावली-2008 के तहत सहायक पुलिस आयुक्त, अग्निशमन अधिकारी और संबोधित थाना प्रभारियों की समिति दुकानों के लिए स्थल चिह्नित करेगी। लाइसेंस के लिए आवेदकों को पांच हजार रुपये की धरोहर राशि का बैंक ड्राफ्ट, चालान की प्रति, दो पासपोर्ट साइज फोटो और आधार कार्ड की छाप्रति के साथ 29 से 31 अक्टूबर तक डीसीपी पूर्वी जोन कार्यालय में आवेदन करना होगा। एक आवेदक केवल एक स्थल के लिए आवेदन कर सकेगा। निर्धारित संख्या से अधिक आवेदन आने पर दुकानों का आइटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। आइटन के बाद लाइसेंसधारक को अपने खर्च पर 10 गुणा 10 फीट की टीन शेड की दुकान तैयार करनी होगी। दो दुकानों के बीच कम से कम 10 फीट की दूरी रखनी होगी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी से एनओसी लेना भी अनिवार्य होगा। प्रत्येक दुकान पर 500 लीटर पानी के साथ दो बाल्टी पानी और रेत से भरी 10 बाल्टियों की व्यवस्था करनी होगी। दुकानों पर वर्ग 7 प्रभाग 2 उपप्रभाग के पटाखे का अधिकतम 50 किलोग्राम और वर्ग 7 प्रभाग 2 उपप्रभाग की फूलझड़ियों का 50 किलोग्राम तक स्टॉक रखा जा सकेगा। 10 नवंबर के बाद आतिशबाजी की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगी।

जिला अस्पताल के पास चल रहा था सेहत से खिलवाड़ का खेल – बिना पंजीकरण और योग्य स्टाफ के संचालित 'वेल केयर पैथ लैब' सीज

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

मरीजों की सेहत के साथ खुलेआम खिलवाड़ का एक और गंभीर मामला सामने आया है। जिला अस्पताल के ठीक पास बिना पंजीकरण के अवैध रूप से संचालित 'वेल केयर पैथ लैब' पर स्वास्थ्य विभाग ने शिकंजा कस दिया है। छपेमारी के दौरान लैब में बिना किसी योग्य स्टाफ के मरीजों के खून की जांच की जा रही थी। अनियमितताएं मिलने पर नोडल अधिकारी ने तत्काल प्रभाव से लैब को सीज कर दिया है। इस बड़ी कार्रवाई से जिलेभर के अवैध जांच केंद्र संचालकों में हड़कंप मच गया है।

स्वास्थ्य विभाग को मिली थी गुप्त सूचना

स्वास्थ्य विभाग को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि जिला अस्पताल के नजदीक कुछ पैथोलॉजी लैब मानकों को ताक पर रखकर



धड़ल्ले से चलाई जा रही हैं। इसी कड़ी में सूचना मिली कि 'वेल केयर पैथ लैब' का न तो कोई वैध पंजीकरण है और न ही वहां रक्त नमूनों की जांच के लिए कोई योग्य एवं प्रशिक्षित स्टाफ मौजूद है।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए नोडल अधिकारी डॉ. मदन कुमार ने टीम के साथ औचक छपेमारी की। जांच के दौरान मौके पर जो सच सामने आया, उसने स्वास्थ्य विभाग

के भी होश उड़ा दिए। लैब में बिना पंजीकरण के मरीजों के रक्त की जांच का काम चल रहा था और वहां कोई भी अधिकृत पैथोलॉजिस्ट या योग्य तकनीशियन मौजूद नहीं मिला।

गलत रिपोर्ट से मरीजों की ज़िंदगी पर मंडरा रहा था ख़तरा

चिकित्सक अमूनन पैथोलॉजी जांच रिपोर्ट के आधार पर ही बीमारी की थाह लेते हैं और उसी मुताबिक इलाज की दिशा तय करते हैं। ऐसे में बिना पंजीकरण और बिना योग्य स्टाफ के हो रही इन जांचों की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। यदि रिपोर्ट में थोड़ी भी गड़बड़ी हो जाए, तो मरीज को गलत उपचार मिलने से उसकी जान पर भी बन सकती है। जिला अस्पताल के बिल्कुल करीब इस तरह की अवैध लैब का चलना स्वास्थ्य विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी बड़े सवाल खड़े

करता है।

अवैध सेंटरों के खिलाफ जारी रहेगा अभियान: नोडल अधिकारी

नोडल अधिकारी डॉ. मदन कुमार ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार के निर्देशन में जिलेभर में अवैध अस्पतालों, क्लीनिकों, पैथोलॉजी लैब और डायग्नोस्टिक सेंटरों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

उन्होंने दो टुक शब्दों में चेतावनी दी कि बिना पंजीकरण और निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित किसी भी स्वास्थ्य संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लापरवाह और अवैध संस्थानों के खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से शहर के अन्य झोलाछाप और अवैध पैथोलॉजी संचालकों में भगदड़ मची हुई है।

